

4.4.21

पत्रावली फेर हुरी। वकील जापी व जापी वकील
अनुपस्थित थे। जापी व वकील जापी को
शामान्य समझ लठ बार-बार आवाज
लगवाई गई। फिर भी अनुपस्थित रहे।
ना ही प्रभाकर भनकर के अजापी गनों की
तामिल करवाई गई।

आतः पत्रावली अहम हाजरी अहम पेखी
में अन्तर्गत आदेश 02 नियम 03 के तहत
खारिज की जाती है। पत्रावली कैसल सुभा
होकर नम्बर से कम होकर काखिल इफत
है। निर्णय सुले शामान्य में पुनाया
गया।

